मॉरीशस

इस साल की गरमियों की छुट्टियों में हमारे विद्यालय ने मॉरीशस की यात्रा का आयोजन किया . इस आयोजन में इनके सहभागी रहे मॉरीशस के 'ल बुकाज़ इंटरनेश्नल' स्कूल . इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य था कि दोनों देशों के छात्र एक दूसरे की संस्कृति और सभ्यता को जान पायें .

हम ९ जून २००८ को मुम्बई से रवाना हुए और अगली सुबह मॉरीशस पहुँचें . हवाई अड्डे के बाहर कदम रखते ही हमने यहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य देखा . लहराते पेड़, नीला आसमान और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण को देख कर हम आश्चर्यचकित रह गए . साथ ही गन्ने के खेत यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य में चार चाँद लगा रहे थे . भोजन करने के बाद हम ल बुकाज़ इंटरनेश्नल स्कूल पहुँचें जहाँ हम अपने मेज़बानों से मिले ओर कुछ ही समय में वे हमारे दोस्त बन गये .

हमारे नए दोस्तों ने हमें मॉरीशस की संस्कृति, सभ्यता और खान-पान से अवगत करवाया . इन में से पहला था यहाँ का स्वादिष्ट भोजन . मॉरीशस में मैंने पहली बार दाल पूरी खाई . यह बहुत स्वादिष्ट थी . हमारे मनोरंजन के लिए वे हमें समुद्र तट पर ले गए . यहाँ का मशहूर 'सेगा' नाच दिखाया . यही नहीं उन्होंने हमें यह नृत्य सिखाने की भी कोशिश की . हमने मॉरीशस के इतिहास के बारे में भी बहुत जानकारी हासिल की . एक दिन वे हमें 'ब्लू पैनी' संग्रहालय ले गए . यह वहाँ का सबसे मशहूर संग्रहालय है . वहाँ पर प्रदर्शित वस्तुएँ बहुत ही दिलचस्प और चित्ताकार्षक थीं .

मेरा मनपसंद दिन वह था जब पूरे समूह को एक समुद्री जहाज़ से हिंद महासागर के बीच ले गए . हम पूरे दिन जहाज़ में आराम करते रहे . अंत में जब हमारी अध्यापिका ने अनुमति दी तो हम सभी लड़के पानी में कूद गए . ठंडे पानी और ठंडी हवा से हम काँपने लगे . इसके पश्चात खाना परोसा गया . ठंडी हवा में गरमागरम पकवान और भी स्वादिष्ट लग रहे थे .

इस यात्रा का एक उद्देश्य समाज सेवा करना भी था . इसके लिए हमने एक रास्ते को साफ करने में और प्राकृतिक संरक्षण में वहाँ के छात्रों का हाथ बँटाया .

मेरा मॉरीशस का अनुभव बहुत ही अद्भुत और यादगार था . अब इंतजार कर रहा हूँ कि कब मॉरीशस के मेरे नए मित्र भारत आएँ ताकि मैं भी उनका अनुभव उतना ही यादगार बना सकूँ .

निपुण जैन
कक्षा- बाहरवीं

Segatime dance

Team Spirit-Members of the Exchange